[This question paper contains 02 printed pages]
इस प्रश्न पत्र में 02 मुद्रित पृष्ठ हैं

Roll Number / रोल नंबर: _____

HPAS Etc. Combined Competitive (Main) Examination, 2019

हि.प्र.प्र.से. आदि संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य) परीक्षा, 2019

Philosophy-II / फिलासफी-II

Time Allowed: 3 Hours | Maximum Marks: 100

अनुगत समय: 3 घंटे | अधिकत्तम अंक: 100

Note / नोट:

1. This question paper contains total eight questions.
   इस प्रश्न पत्र में कुल आठ प्रश्न हैं।
2. *Attempt any five questions including compulsory question No.1.*
   अनिवार्य प्रश्न नंबर 1 सहित किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
3. Each question carries equal marks. Marks are divided and indicated against each part of the question. Write answer in legible handwriting. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.
   प्रत्येक प्रश्न के समान अंक हैं। प्रश्न के अंकों को विभाजित कर प्रश्न के प्रत्येक भाग के विरूद्ध इंगित किया गया है। उत्तर स्पष्ट लिखावट में लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए।
4. Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
   प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं है, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।
5. *Re-evaluation / Re-checking of answer book is not allowed.*
   उत्तरपुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच की अनुमति नहीं है।

---

1. Write short notes on the following: (20)
   निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे :

   (i) Niyama in Yoga philosophy
   योग दर्शन में नियम

   (ii) Concept of Humanism
   मानववाद की अवधारणा

   (iii) Concept of Tri-ṛṇa
   त्रि-ऋण की अवधारणा

   (iv) Concept of moral value
   नैतिक मूल्य की अवधारणा

2. Critically assess the possibility of relevance of Varṇa-āśrama dharma in contemporary times. (20)
समसामयिक काल में वर्णाश्रम धर्म की प्रासंगिकता की सम्भावना की आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।

3. Critically discuss the significance and possibility of freedom in the moral context. (20)
नैतिक संदर्भ में स्वातंत्र्य के महत्त्व एवं सम्भावना की आलोचनात्मक विवेचना करें।

4. Can Lokasaṅgraha be related with the Path of Knowledge? If yes, then how? (20)
क्या लोकसंग्रह ज्ञानयोग से संबद्ध हो सकता है ? यदि हाँ, तो किस प्रकार ?

5. Critically discuss J. S. Mill's Utilitarianism. (20)
जे. एस. मिल के उपयोगितावाद की आलोचनात्मक विवेचना करें।

6. Discuss the concept and logical consequences of Pantheism. (20)
सर्वेश्वरवाद की अवधारणा एवं तार्किक परिणामों की विवेचना करें।

7. Critically discuss the concept of Justice as a political ideal. (20)
एक राजनैतिक आदर्श के रूप में न्याय की अवधारणा की आलोचनात्मक विवेचना करें।

8. Discuss the Speech-act theory of meaning. (20)
अर्थ के भाषण-क्रिया सिद्धांत की विवेचना करें।

*****